नई सोच...
Tital Code: RAJHIN27958
Website: www.bhatnerexpress.com
Bhatner Express
भटनेर एक्सप्रैस
E-mail: bhatnerexpress@gmail.com
RNI NO : RAJHIN/2022/85753
सम्पादकः विपुल गोयल
वर्षः4 अंकः 32 हनुमानगढ़ जंक्शन (राजस्थान) साप्ताहिक मंगलवार 23 जून 2026 मो. 94612-10329 शुल्कः 2 रूपये पृष्ठः 4

लखनऊ में कोचिंग और एनीमेशन सेंटर में लगी भीषण आग, 15 छात्रों की दर्दनाक मौत

बायोमीट्रिक गेट बना मौत का जाल, दम घुटने से गई जानें, जान बचाने के लिए कूदे छात्र भी घायल

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

लखनऊ। अलीगंज स्थित एक बिल्डिंग में आग लगने से कोचिंग पढ़ने व एनीमेशन कोर्स करने वाले 15 छात्रों की जलकर मौत हो गई। कई छात्र गंभीर रूप से झुलस गए। जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदे नौ छात्र गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा छोड़कर वापस आए और घटनास्थल का मुआयना किया। रक्षामंत्री एवं राजधानी के सांसद राजनाथ सिंह भी लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। शॉर्ट सर्किट और एसी का कंप्रेसर फटने के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है। अलीगढ़ के पुरनिया स्थित बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर पेट शॉप की दुकान है। पहली मंजिल पर

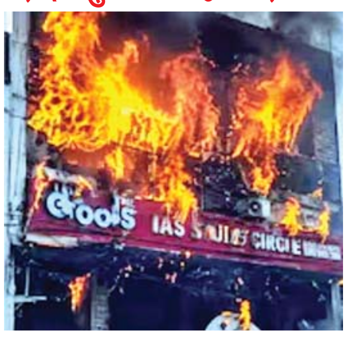

पेट शॉप मालिक का वेयरहाउस है। दूसरी मंजिल पर थ्री-डी एनीमेशन ट्रेनिंग सेंटर और गेमिंग जोन के साथ 12वीं तक के विद्यार्थियों की कोचिंग चलती थी। पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब ढाई बजे वेयरहाउस में अचानक आग लग गई। चंद मिनटों में आग पूरी बिल्डिंग में फैल गई। बिल्डिंग में मौजूद कई लोग विकराल हुई आग के बीच घिर गए। दूसरी व तीसरी मंजिल पर मौजूद छात्र भीतर ही फंस गए। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल टीम के साथ एसडीआरएफ ने बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। करीब दो घंटे चले रेस्क्यू के दौरान 15 शव बाहर निकाले गए। वहीं कई झुलसे छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई की हालत गंभीर है। हादसे के वक्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री सभा छोड़ तुरंत वापस आए। उनके निर्देश पर प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, डीजीपी राजीव कृष्ण, डीजी फायर सुजीत पांडेय, पुलिस आयुक्त अमरेंद्र सेंगर समेत... शेष पेज 3 पर

राजस्थान में लागू होगा यूसीसी सरकार ने कमेटी बनाई

» संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार मिलेंगे

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश में यूनिफॉर्म सिविल कोड (समान नागरिक संहिता/छूट) लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। विधेयक का प्रारूप तैयार करने के लिए सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में 5 सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। राजस्थान विधानसभा से विधेयक पास होने के बाद कानून का रूप लेगा। इसके बाद प्रदेश में किसी भी धर्म का व्यक्ति एक से ज्यादा शादी नहीं कर पाएगा। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों को अनिवार्य रूप से रजिस्ट्रेशन कराना होगा। पैतृक संपत्ति में बेटा-बेटी को समान अधिकार मिलेंगे। शादी और तलाक का रजिस्ट्रेशन करना भी अनिवार्य होगा। हालांकि नए कानून के दायरे में स्थानीय जनजातियों को उनकी संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों के तहत बाहर रखा जा सकता है। राजस्थान सरकार में कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने सोमवार को सचिवालय के मंत्रालयिक भवन में यह जानकारी दी। उनके साथ गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम भी मौजूद थे।

कमेटी के रिपोर्ट देते ही विधानसभा में करेंगे पेश

कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा- कैबिनेट ने अप्रैल 2026 में फैसला लिया था कि राजस्थान में समान नागरिक संहिता-2026 के लिए विशेषज्ञों की कमेटी का गठन किया जाएगा। सरकार का मानना है कि यह केवल कानूनी सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, समान अधिकार और न्याय व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। उन्होंने कहा- हमने कमेटी में न्यायिक, विधिक और प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों को शामिल किया है। यह कमेटी अन्य राज्यों के कानून और अनुभवों... शेष पेज 3 पर

प्रभारी सचिव ने ली विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। पंचायतीराज आयुक्त, एनएचएम मिशन डायरेक्टर, राजस्थान सरकार में सचिव तथा जिला प्रभारी सचिव डॉ. जोगा राम ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय योजनाओं एवं अभियानों की प्रगति की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभिन्न विभागीय योजनाओं की रैंकिंग, राजस्थान संपर्क पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण, ई-फाइलिंग की प्रगति तथा आगामी मानसून को देखते हुए की गई तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में प्रभारी सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों का आयोजन बेहतर समन्वय के साथ किया जाए तथा पात्र व्यक्तियों को अधिकतम लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मानसून को देखते हुए सभी विभाग आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करें तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए संसाधन एवं व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें। उन्होंने जिला स्तरीय मामलों का त्वरित समाधान जिला

कलक्टर के माध्यम से तथा राज्य स्तरीय मामलों को तत्काल राज्य सरकार के संज्ञान में लाने के निर्देश भी दिए। डॉ. जोगा राम ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना में नए लाभार्थियों को जोड़ने, डिस्कॉम की कुसुम-ए एवं कुसुम-सी योजनाओं, आरडीएसएस, लाडो प्रोत्साहन योजना, उद्यान विभाग द्वारा सोलर पंप स्थापना, कृषि विभाग की ड्रिप, स्प्रिंकलर, डिग्गी, फार्म पॉण्ड एवं तारबंदी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान, मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान योजना तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, राजस्थान संपर्क पोर्टल पर लंबित परिवेदनाओं के निस्तारण तथा ई-फाइलिंग व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर भी चर्चा की गई। प्रभारी सचिव ने अधिकारियों से योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए समयबद्ध लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव, पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना, अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा, जिला परिषद सीईओ ओपी बिश्नोई सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

अमेरिका ने ईरान के तेल बेचने पर प्रतिबंध हटाया

» अगले 60 दिन भारत भी खरीद सकता है

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

तेल अवीव। अमेरिका ने ईरान के तेल और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की बिक्री पर लगी पाबंदियों में 60 दिन की ढील दे दी है। यह फैसला स्विट्जरलैंड में दोनों देशों के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने ईरानी मूल के कच्चे तेल, पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों के उत्पादन, डिलीवरी और बिक्री के लिए अस्थायी सामान्य लाइसेंस जारी किया है। यह छूट 21 अगस्त तक लागू रहेगी। इससे भारत समेत कई देश फिर से ईरानी तेल खरीद सकेंगे। वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि स्विट्जरलैंड में हुई वार्ता के दौरान ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में बिना रोक-टोक आवाजाही बनाए रखने का भरोसा दिया है। इसके साथ ही ईरान यूएन की परमाणु एजेंसी आईएईए के इंस्पेक्टर्स को दोबारा देश में काम करने की मंजूरी देने पर भी सहमति जताई है। अमेरिका और ईरान के बीच आज स्विट्जरलैंड में लगातार दूसरे दिन भी बातचीत हुई। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिका की कोशिश ईरान के साथ स्थायी समझौते तक पहुंचने की है और अब तक की बातचीत में अच्छी तरह आगे बढ़ी है।

कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट में धमाका, 12 भारतीयों समेत 13 की मौत, 60 से ज्यादा घायल

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

दोहा। कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट रास लाफान के एलएनजी कॉम्प्लेक्स में रविवार शाम विस्फोट हुआ। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई है, जिनमें 12 भारतीय हैं। इसके अलावा 66 लोग घायल हुए हैं।कतर के ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। अल-काबी ने बताया विस्फोट रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में हुआ। हादसे में घायल हुए लोगों में भारत, कतर, तंजानिया, पाकिस्तान, गिनी, नेपाल, बांग्लादेश, केन्या और नाइजीरिया के नागरिक शामिल हैं। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि यह एक हादसा था। इसमें किसी साजिश या जानबूझकर की गई हरकत के संकेत नहीं मिले हैं। उनके मुताबिक, जरूरी मरम्मत के कारण दिसंबर 2025 से प्लांट का उत्पादन पूरी तरह बंद था और इसे सिर्फ दो दिन पहले ही दोबारा शुरू किया गया था। हादसे के कारणों की शुरू कर दी गई है। ऊर्जा मंत्री के मुताबिक, रविवार शाम ऑपरेशन शुरू करने की प्रक्रिया के दौरान बरजान लोकल गैस सप्लाई फैसिलिटी में विस्फोट और आग लगी थी। आपातकालीन टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और अब आग पर काबू पा लिया गया है। रॉयटर्स के मुताबिक, धमाका इतना तेज था कि इसकी... शेष पेज 3 पर

अटल भूजल योजना की अनुदान राशि नहीं मिलने पर किसानों में रोष

» गेहूं खरीद घोटाले की सीबीसीबी जांच की मांग, किसान यूनियन ने सरकार को चेताया

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। भारतीय किसान यूनियन ने अटल भूजल योजना के तहत निर्मित डिग्गियों की लंबित अनुदान राशि का भुगतान शीघ्र करवाने तथा गेहूं खरीद में कथित धांधली की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर राजस्थान सरकार के प्रभारी सचिव को ज्ञापन सौंपा है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो जिलेभर में सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा। जिलाध्यक्ष रेशम सिंह माणुका ने ज्ञापन में बताया कि वर्ष 2024-25 में फरवरी और मार्च माह के दौरान अटल भूजल योजना के अंतर्गत जिले में बड़ी संख्या में किसानों ने डिग्गियों का निर्माण करवाया था। किसानों ने अपनी खड़ी एवं पकी हुई फसलों को नुकसान पहुंचाकर तथा कई स्थानों पर खेतों के बीच रास्ते निकालकर यह निर्माण कार्य पूरा किया। अधिकांश किसानों ने सरकार द्वारा निर्धारित अनुदान राशि मिलने की उम्मीद में ब्याज पर ऋण लेकर निर्माण करवाया था। ज्ञापन के अनुसार योजना के तहत डिग्गी निर्माण करने वाले 829 किसानों को आज तक अनुदान राशि का भुगतान नहीं हुआ है। किसानों को

आश्वासन दिया गया था कि निर्माण पूर्ण होने के 15 दिनों के भीतर लगभग तीन-तीन लाख रुपये की अनुदान राशि उनके खातों में जमा करवा दी जाएगी, लेकिन महीनों बीत जाने के बावजूद एक भी रुपया जारी नहीं किया गया। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ रही है और कई किसान कर्ज के बोझ तले दब गए हैं। किसान यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि वर्ष 2025-26 में अटल भूजल योजना के अंतर्गत नए डिग्गी निर्माण कार्यों के लिए प्रशासनिक स्वीकृतियां जारी कर दी गई हैं, जबकि पिछले कार्यों का भुगतान अब तक लंबित है। किसानों द्वारा कई बार प्रशासन और सरकार को इस संबंध में अवगत करवाने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। यूनियन ने बताया कि दो बार प्रशासन द्वारा समय मांगा गया, लेकिन निर्धारित अवधि में भी भुगतान नहीं किया गया। इसके साथ ही ज्ञापन में हनुमानगढ़ जिले में गेहूं खरीद के दौरान बड़े स्तर पर कथित अनियमितताओं का मुद्दा भी उठाया गया। यूनियन का आरोप है कि कुछ व्यापारियों ने किसानों को गुमराह कर उनके नाम और गिरदावरी का दुरुपयोग करते हुए बार-बार गेहूं खरीद एजेंसियों को फसल बेचकर सरकारी बोनस का अनुचित लाभ उठाया। इससे... शेष पेज 3 पर

दो ग्राम पंचायतों के प्रशासक पदमुक्त

खोथांवाली और अयालकी प्रशासक के खिलाफ कार्रवाई

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। पंचायत राज विभाग ने हनुमानगढ़ जिले की पंचायत समिति पीलीबंगा की दो ग्राम पंचायतों के प्रशासकों को पदमुक्त करने के आदेश जारी किए हैं। ग्राम पंचायत खोथांवाली एवं ग्राम पंचायत अयालकी में निरीक्षण के दौरान साफ-सफाई और स्वच्छता संबंधी कार्यों में अनियमितताएं पाए जाने पर यह कार्रवाई की गई है। जारी आदेशों के अनुसार पंचायत राज विभाग की ओर से पंचायत समिति पीलीबंगा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खोथांवाली का 22 अप्रैल 2026 तथा ग्राम पंचायत अयालकी का 23 अप्रैल 2026 को औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान दोनों ग्राम पंचायतों में स्वच्छता एवं साफ-सफाई कार्यों में अनियमितताएं सामने आईं। इसके लिए तत्कालीन सरपंच एवं वर्तमान प्रशासकों को उत्तरदायी माना गया। विभागीय आदेशों के तहत ग्राम पंचायत खोथांवाली की प्रशासक सुशीला को प्रशासक पद से पदमुक्त कर दिया गया है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत अयालकी के प्रशासक गोपाल राम... शेष पेज 3 पर

सम्पादकीय

अपने घरों की ओर भी लौटें घरेलू पर्यटक

उदारीकरण के पहले तक गर्मी की छुट्टियों का मतलब, जरूरी सेवाओं को छोड़ सबकी छुट्टियां होती थीं, स्कूल बंद हो जाते थे, अदालतों में जरूरी फौजदारी मामलों को छोड़ सुनवाई रूक जाती थी, और अदालतें बंद हो जाती थीं, तहसीलों में भी सूनापन छा जाता था, बैंकों में भी आधे से ज्यादा लोग गर्मी की छुट्टियां ले लेते थे। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। सूचना और संचार क्रांति के कारण पहले की तुलना में बिजली ज्यादा मिलने के चलते अब शहरों को कौन कहें, गांव तक पूरी रात गुलजार हो रहे हैं। इसका असर छुट्टियां मनाने के अंदाज और छुट्टियों के लिए जगह के चयन पर भी पड़ रहा है। पहले छुट्टियों का मतलब होता था, नौकरीपेशा लोगों की गांवों में वापसी। गांव में रहने वाले बच्चे छुट्टियों में नानी, मामा, मौसी के घर जाते थे। बहुत हुआ तो कोई तीर्थ यात्रा कर ली गई या शहर में रह रहे रिश्तेदार के यहां यात्रा कर ली गई। अब छुट्टियों का मतलब साफ तौर पर बदल गया है। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाके हों या फिर मैदानी, ज्यादातर गांव खाली हो चुके हैं। गांवों में वे ही लोग रह रहे हैं, जिनके पास जायदाद ज्यादा है या जिनकी हैसियत नहीं है कि शहर जा सकें। उत्तर भारत के गांवों का दौरा करेंगे तो पाएंगे कि हर तीसरे घर में या तो ताला लगा है कि उस घर के पांच सदस्यों में से तीन किसी शहर में हैं। शहर बड़ा भी हो सकता है, छोटा भी या बगल का कस्बा भी। जिसको जहां नौकरी मिली, कम से कम उसका परिवार वहीं रह रहा है। सरकारी तंत्र की शिक्षा पर विशेषकर राज्यों की ओर से खूब खर्च हो रहा है। अध्यापक भी तैनात हैं। कागजों में ग्रामीण स्कूलों को सहूलियतें भी खूब दी जा रही हैं, लेकिन गांवों के स्कूलों में उन्हीं के बच्चे पढ़ रहे हैं, जिनकी माली हालत छोटे स्कूल का खर्च उठाने लायक नहीं है। अन्यथा सभी अपनी हैसियत के मुताबिक महानगर, शहर या बगल के कस्बे के स्कूल में अपने बच्चों को पढ़ा रहे हैं। रिकॉर्ड पर ग्रामीण जनसंख्या अब भी करीब दो तिहाई से ज्यादा है। लेकिन हकीकत में इसकी संख्या बेहद कम है। 2011 की जनगणना के अनुसार करीब 68.8 आठ फीसद जनसंख्या गांवों में रहती थी। लेकिन भारत सरकार के हालिया अनुमानों के मुताबिक, करीब 63 प्रतिशत जनसंख्या ही गांवों में रह रही है। लेकिन यहां एक बार फिर ध्यान देने की है कि इसका भी बड़ा हिस्सा शहरों में रह रहा है। भले ही शहर में उसकी रिहायश किसी झुग्गी या किसी झुग्गीनुमा शहरीकृत गांव में हो। औद्योगिक इलाकों में रहने वाले लोगों की रिहायशी स्थिति बहुत अच्छी नहीं हैं, उसकी तुलना में उनका ग्रामीण घर बढ़िया है। फिर भी रोजगार और शिक्षा के लिए कम कमाई के बावजूद ग्रामीण परिवार शहरों में रहने को मजबूर हैं। यह चर्चा लंबी हो सकती है। आज छुट्टियों में हर परिवार अपनी हैसियत के हिसाब से घूमने जा रहा है, लेकिन इनमें से ज्यादातर घूमने के लिए पहले की तरह अपने गांवों की ओर नहीं लौट रहे हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार, भारत के घरेलू पर्यटन में साल 2023-24 की तुलना में 2024-25 में करीब 95 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दिख रही है। इस साल 250 करोड़ से ज्यादा लोगों ने घरेलू पर्यटन किया। इन पर्यटकों का पूरा विवरण यानी किस इलाके के कितने पर्यटक किस इलाके में घूमने गए। लेकिन मोटे तौर पर सबसे ज्यादा नए तीर्थस्थलों मसलन काशी के विश्वनाथ कारीडोर, उज्जैन के महाकाल कारीडोर या केदारनाथ आदि की यात्राएं कीं। लेकिन गर्मियों में सबसे ज्यादा लोग पहाड़ों की ओर जा रहे हैं। एक दौर ऐसा भी आता है कि पहाड़ों में लोगों को ठहरने के लिए जगह तक नहीं मिलती, लोग कारों में सड़कों के किनारे ही रहने और अपनी दैनिक क्रिया करने को मजबूर हो जाते हैं। स्पष्ट है कि ये पर्यटक इन जगहों पर जाकर वहां खर्च भी कर रहे हैं। इसका आर्थिक फायदा उन्हीं इलाकों को मिल रहा है। यहीं पर एक सवाल उठता है कि अगर इन पर्यटकों में से एक हिस्सा अपने गांवों की यात्रा करेगा तो वह जो खर्च करेगा, उस खर्च से उसके गांव-परिवार के आसपास की आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी। इसका असर यह होगा कि उन इलाकों में आर्थिक विकास बढ़ेगा। आर्थिक गतिविधियां बढ़ने से उन इलाकों की सूरत भी सुधरेगी। भारतीय परंपरा में व्यक्ति के विकास के लिए पूरे परिवेश के योगदान को स्वीकार किया जाता रहा है। इसीलिए व्यक्ति की कमाई और उपलब्धि में उसके परिवेश और परिवार का हिस्सा माना जाता रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शतक वर्ष में पंच परिवर्तन की जो सैद्धांतिकी और कार्ययोजना स्वीकार की है, उसका दूसरा अंग कुटुंब प्रबोधन है। संघ के पंच परिवर्तन में भारतीय संस्कृति की उस अवधारणा को स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है, जिसमें परिवार सिर्फ सामाजिक संस्था नहीं माना जाता, बल्कि संस्कार की प्रयोगशाला के रूप में स्वीकार्य है। आर्थिक उदारीकरण के बाद जीवन में यांत्रिकता बढ़ी है। इसकी वजह से आपसी संवाद भी घटा है। उपभोक्तावाद को बढ़ावा तो खैर मिला है, इससे परिवार टूट रहे हैं। ऐसे में कुटुंब यानी परिवार प्रबोधन की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ जाती है।

रोजगार और आरोग्यता का संदेश: योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को राष्ट्रीय योजनाओं से जोड़ने की मांग

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। टाउन के आरोग्य प्राकृतिक चिकित्सालय की ओर से विश्व योग दिवस 2026 के अवसर पर समाज के सभी वर्गों को रोजगार एवं आरोग्यता के लिए अग्रिम शुभकामनाएं एवं हार्दिक बधाई दी गई। इस अवसर पर वरिष्ठ योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. शिवकुमार शर्मा ने योग दिवस 2026 को केवल एक आयोजन न मानकर इसे राष्ट्र के स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सशक्तिकरण से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया।डॉ. शिवकुमार शर्मा, जो पूर्व वरिष्ठ चिकित्सक राजकीय प्राकृतिक चिकित्सालय हनुमानगढ़, पूर्व जिला आयुर्वेद अधिकारी राजस्थान सरकार तथा पूर्व सदस्य योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सलाहकार बोर्ड राजस्थान सरकार रह चुके हैं, ने कहा कि योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा भारत की प्राचीन एवं वैज्ञानिक चिकित्सा पद्धतियां हैं। इनका समुचित संवर्धन और विकास तभी संभव है जब इन्हें राजकीय सेवाओं में समायोजित किया जाए और राष्ट्रीय योजनाओं में सक्रिय भागीदारी दी जाए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि विश्व योग दिवस के अवसर पर योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लिए कोई ठोस और दूरगामी योजना की घोषणा की जाए। ऐसी योजना से न केवल इस विज्ञान को वास्तविक लाभ मिलेगा, बल्कि देशभर में सेवा दे रहे हजारों योग एवं प्राकृतिक चिकित्सकों को उनके वैधानिक रोजगार, योग्यता और अनुभव के अनुरूप अवसर भी प्राप्त होंगे। इससे समाज को भी प्रशिक्षित एवं अनुभवी चिकित्सकों की सेवाएं मिल सकेंगी। अखिल भारतीय प्राकृतिक चिकित्सा परिषद दिल्ली के डॉ. शर्मा ने कहा कि जब तक योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़े विशेषज्ञों को सम्मानजनक रोजगार और सेवा का अवसर नहीं मिलेगा, तब तक राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर आयोजित होने वाले योग दिवस जैसे आयोजनों का पूर्ण लाभ समाज तक नहीं पहुंच पाएगा। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवनशैली और समग्र स्वास्थ्य का विज्ञान है, जिसे नीति-निर्माण में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है, जिससे पूरे देश का गौरव बढ़ा है। यह भारत की सांस्कृतिक और वैज्ञानिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। अब आवश्यकता है कि उसी भावना के अनुरूप देश के भीतर भी योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा को संस्थागत समर्थन दिया जाए।अंत में, आरोग्य निकेतन प्राकृतिक चिकित्सालय हनुमानगढ़ की ओर से विश्व योग दिवस 2026 पर पुनः सभी नागरिकों, योग साधकों एवं चिकित्सकों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए यह आशा व्यक्त की गई कि आने वाला समय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के लिए रोजगार, सम्मान और विकास के नए द्वार खोलेगा।

श्रमिकों के हकों के लिए सीटू का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

» न्यूनतम वेतन 26 हजार रुपये करने, 8 घंटे कार्यदिवस लागू करने व श्रम संहिताएं वापस लेने की मांग

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियन्स (सीटू) जिला कमेटी हनुमानगढ़ के नेतृत्व में सोमवार को श्रमिकों की विभिन्न मांगों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में श्रमिकों और यूनियन कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मजदूरों के हितों की रक्षा करने की मांग उठाई। प्रदर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। कलेक्ट्रेट के समक्ष आयोजित सभा को संबोधित करते हुए सीटू के वरिष्ठ नेता रामेश्वर वर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश के करोड़ों मजदूर आज भी न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानजनक कार्य परिस्थितियों से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, लेकिन मजदूरों की आय में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हो रही है, जिससे श्रमिक परिवारों का जीवन-यापन कठिन होता जा रहा है। सभा को संबोधित करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष आत्मा सिंह ने कहा कि राजस्थान में न्यूनतम वेतन में पिछले कई वर्षों से कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में वर्तमान न्यूनतम वेतन देश के कई राज्यों की तुलना में काफी कम है। ऐसे में राज्य सरकार को तत्काल प्रभाव से न्यूनतम वेतन बढ़ाकर 26 हजार रुपये प्रतिमाह घोषित करना चाहिए ताकि श्रमिकों को सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर मिल सके। जिला महासचिव शेर सिंह शाक्य ने कहा कि प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों विशेषकर भिवाड़ी, नीमराणा और बहरोड़ में बड़ी संख्या में श्रमिकों से 10 से 12 घंटे तक काम कराया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि श्रमिकों पर अतिरिक्त कार्य का दबाव बनाया जाता है और कई स्थानों पर ओवरटाइम का उचित भुगतान भी नहीं किया जाता। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार 8 घंटे कार्यदिवस को सख्ती से लागू करे तथा अतिरिक्त कार्य की स्थिति में श्रमिकों को नियमानुसार दोगुना ओवरटाइम भुगतान सुनिश्चित किया जाए। सभा को बहादुर सिंह चौहान, सुल्तान खान और गुरप्रेम सिंह ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई चारों श्रम संहिताएं श्रमिक विरोधी हैं और इनसे मजदूरों के लंबे संघर्षों से प्राप्त अधिकार कमजोर हुए हैं। उन्होंने राज्य सरकार से श्रमिकों के हित में इन श्रम संहिताओं का विरोध करते हुए उन्हें वापस लेने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि प्रदेश के लगभग चार करोड़ मजदूर न्यूनतम वेतन कानून के दायरे में आते हैं, लेकिन उन्हें आज भी पर्याप्त मजदूरी नहीं मिल रही है। श्रमिक नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम: 11 वर्षीय पूनम की हुई सफल हृदय सर्जरी, मिला नया जीवन

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत जिले के खण्ड टिब्बी के गांव कुलचंद्र निवासी 11 वर्षीय बालिका पूनम पुत्री प्रभुदयाल की जन्मजात हृदय रोग की सफल सर्जरी 6 जून को सत्य साई संस्थान, अहमदाबाद में निःशुल्क सम्पन्न करवाई गई। सफल ऑपरेशन के बाद बालिका का स्वास्थ्य बेहतर है तथा वह सामान्य जीवन की ओर अग्रसर है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत विद्यालयों में नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग गतिविधियां संचालित की जाती हैं। इसी क्रम में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्रा पूनम की स्वास्थ्य जांच के दौरान उसे जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित पाया गया। स्क्रीनिंग के पश्चात बालिका को आवश्यक पुष्टि एवं विशेषज्ञ जांच के लिए उच्चतर संस्थान रेफर किया गया। डॉ. शर्मा ने बताया कि पूनम के परिवार की आजीविका का मुख्य स्रोत खेती-बाड़ी है तथा उसकी माता गृहिणी हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से बालिका को समस्त आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल स्थित डीईआईसी के माध्यम से बालिका की आवश्यक चिकित्सकीय जांचें एवं निःशुल्क ईको करवाई गई। परिजनों को रोग, उपचार प्रक्रिया एवं सर्जरी से संबंधित सम्पूर्ण जानकारी प्रदान कर आवश्यक परामर्श एवं मार्गदर्शन दिया गया। इसके उपरांत सत्य साई संस्थान, अहमदाबाद में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा सफलतापूर्वक हृदय सर्जरी सम्पन्न की गई। डॉ. नवनीत शर्मा ने कहा कि यदि बच्चों की समय पर स्वास्थ्य जांच एवं स्क्रीनिंग की जाए तो जन्मजात हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों का भी सफल उपचार संभव है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बच्चों में जन्मजात दोष, बीमारियों, विकारों एवं विकास संबंधी समस्याओं की शीघ्र पहचान कर उन्हें समय

पर उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की नियमित स्वास्थ्य जांच करवाएं तथा विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित स्वास्थ्य जांच गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाएं, ताकि बच्चों को समय रहते बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

टीम के समर्पित प्रयासों से मिली सफलता

इस पूरी प्रक्रिया में बीसीएमओ डॉ. रितिका पारीक के सतत पर्यवेक्षण के साथ मोबाइल हेल्थ टीम के आयुष चिकित्सक डॉ. जगदीश चन्द्र शर्मा एवं एएनएम सुमोनिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनकी सतर्कता, समय पर रोग की पहचान एवं निरंतर फॉलोअप के कारण बालिका को समय पर उपचार उपलब्ध हो सका।

ग्रामीण सेवा शिविर बना सहारा, दो परिवारों को मिली नई उम्मीद

» पालनहार और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना से मिला आर्थिक संबल, खिले लाभार्थियों के चेहरे

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़/ संगरिया। राजस्थान सरकार द्वारा आमजन तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर जरूरतमंद परिवारों के लिए राहत और उम्मीद का माध्यम बन रहे हैं। सोमवार को संगरिया के ग्राम पंचायत इन्द्रपुरा में आयोजित शिविर में दो परिवारों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ मिलने से उनके जीवन में नई आशा का संचार हुआ। ग्राम निवासी जगदीश के पुत्र के निधन के बाद उनकी पुत्रवधु का पुनर्विवाह हो गया। ऐसे में उनकी पोती के पालन-पोषण की जिम्मेदारी स्वयं जगदीश ने संभाली। आर्थिक चुनौतियों के बीच पोती की परवरिश कर रहे जगदीश को शिविर में पालनहार योजना का लाभ प्रदान किया गया। योजना के तहत उन्हें पोती के पालन-पोषण के लिए प्रतिमाह 1500 रुपए की सहायता राशि स्वीकृत हुई। सहायता मिलने पर जगदीश की आंखों में

संतोष झलक उठा। उन्होंने कहा कि यह राशि पोती की शिक्षा और देखभाल में महत्वपूर्ण सहारा बनेगी। इसी शिविर में बीपीएल परिवार से जुड़े ओमप्रकाश को भी बड़ी राहत मिली। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत उनकी दो पुत्रियों के विवाह के लिए 82 हजार रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की गई। सहायता की जानकारी मिलते ही ओमप्रकाश के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि बेटियों के विवाह की चिंता अब काफी हद तक कम हो गई है। शिविर में तहसीलदार मोनिका बंसल, विकास अधिकारी राजेश कुमार, नायब तहसीलदार रामसिंह, श्याम सुंदर मूंड एवं मीनू सिंगल ने लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र प्रदान कर शुभकामनाएं दीं।

पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता का दिया संदेश

» डीएफसी और सशक्त नारी संस्थान ने सिंगल-यूज़ प्लास्टिक के खिलाफ चलाया जनजागरण अभियान

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। डॉक्टर्स फॉर सोसाइटी फाउंडेशन एवं सशक्त नारी संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में रविवार प्रातः विनय वाटिका, सेक्टर-09, हनुमानगढ़ जंक्शन में 'पर्यावरण एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनचेतना बढ़ाना तथा सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करना था। कार्यक्रम में चिकित्सकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संदीप भाकर ने कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण आज वैश्विक स्तर पर गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक के कण अब जल, वायु और खाद्य पदार्थों के माध्यम से मानव शरीर तक पहुंच रहे हैं, जो भविष्य में अनेक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्लास्टिक के उपयोग पर नियंत्रण नहीं किया गया तो इसके दुष्परिणाम आने वाली पीढ़ियों को भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने लोगों से प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण हितैषी विकल्प अपनाने का आह्वान किया। डॉ.

वैशाली आहूजा ने अपने संबोधन में दैनिक जीवन में सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचाव के सरल और व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि कपड़े के थैले, स्टील या कांच की पुनः उपयोग योग्य पानी की बोतलें तथा टिकाऊ जीवनशैली अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने के लिए बड़े अभियानों के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास भी बेहद महत्वपूर्ण हैं। कार्यक्रम में युवाओं की ओर से क्रियांशी संकलेचा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए जलवायु परिवर्तन की गंभीरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। उन्होंने चिंता जताई कि विश्व के सबसे प्रदूषित शहरों में बड़ी संख्या भारतीय शहरों की है और अत्यधिक गर्मी से प्रभावित शहरों में भी भारत के कई शहर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बढ़ता प्रदूषण और बदलती जलवायु केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी है। उन्होंने इस दिशा में सामूहिक प्रयासों और जनभागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में डीएफसी के अध्यक्ष डॉ. विक्रम जैन, सचिव डॉ. नरेश संकलेचा, डॉ. रवि त्रेहान, डॉ. दीपक खुराना, बलजिंदर सिंह, पवन सरावगी, दिनेश गुप्ता, हेमंत गोयल, डॉ. नरेश जिंदल, डॉ. वरुण आहूजा, डॉ. विपुल आसोपा, डॉ. अर्जुन सिंह राठौर, डॉ. जगदीश खत्री, डॉ. ज्योति धींगरा, डॉ. अंशुमन रहेजा, डॉ. तज्ञा बरार एवं डॉ. बलवीर सहारन सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अमरनाथ सेवा समिति द्वारा 30वां विशाल भंडारा रवाना

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। अमरनाथ सेवा समिति हनुमानगढ़ द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए जम्मू-कश्मीर के पवित्र स्थल पंचतरणी में 30वां विशाल निःशुल्क भंडारा लगाया जा रहा है। इस भव्य सेवा यज्ञ की शुरुआत हनुमानगढ़ टाउन कि नई धान मंडी स्थित लक्ष्मी नारायण मन्दिर से धार्मिक विधि-विधान और शिव आराधना के साथ की गई, जिसमें श्रद्धालुओं, पदाधिकारियों और विशेष अतिथियों की उपस्थिति रही। समिति के प्रधान सूरजभान मितल एवं सचिव इन्द्रजीत चराया ने जानकारी देते हुए बताया कि यह भंडारा 3 जुलाई से प्रारंभ होकर 28 अगस्त तक अमरनाथ यात्रियों की सेवा में तत्पर रहेगा। भंडारा रवाना होने से पूर्व शिव भोले की पूजा अर्चना की गई। पंडित विपिन बिहारी शास्त्री द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण और यज्ञ हवन की पूर्णाहुति के साथ इस पावन कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जयपुर से सपरिवार पधारे बाबूलाल महेश्वरी, अमरनाथ सेवा समिति बीकानेर के प्रधान मोहन लाल, देवकिशन अध्यक्ष, रामलाल मंगवाल, पप्पू जाखड़ा, बाबूलाल, किशन लाल धुतिया, लक्ष्मण लाल चान्द्रा, यातायात प्रभारी अनिल चिन्दा, फूड्ग्रेण मर्चेन्ट एसोसिऐशन अध्यक्ष रामलाल

किरोड़ीवाल, पूर्व अध्यक्ष संतराम जिन्दल, बालकृष्ण गोल्याण, अशोक जिन्दल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने हवन यज्ञ में आहुति देकर सभी सदस्यों को यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। समिति सचिव इन्द्रजीत चराया ने बताया कि आज पहले जत्थे में रजत बंसल व अभिषेक चराया के नेतृत्व में 28 सेवादार और एक ट्रक खाद्य सामग्री के साथ भंडारे की सामग्री को रवाना किया गया। इस जत्थे में भोजन, आवास और मेडिकल सुविधाओं की विस्तृत व्यवस्था की गई है। भंडारा पंचतरणी में यात्रियों को पूर्णतः निःशुल्क सेवाएं उपलब्ध कराएगा, जिनमें भोजन, विश्राम स्थल एवं प्राथमिक चिकित्सा प्रमुख हैं। भंडारा पूरे 59 दिनों तक संचालित होगा। रवानगी से पूर्व भंडारे को शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा के रूप में निकाला गया। डीजे पर शिव भोले के भजनों की धुन पर सेवादार भावविभोर होकर नाचते-गाते आगे बढ़े। चारों ओर बम बम भोले के जयघोष से वातावरण शिवमय हो गया। शोभायात्रा में शहरवासियों ने भी श्रद्धा और भक्ति के साथ भागीदारी निभाई। भंडारे की रवानगी के समय अमरनाथ सेवा समिति के संरक्षक सुरेन्द्र नागपाल, विनोद गर्ग, एन.एम. लॉ कॉलेज प्रबंध समिति व अमरनाथ सेवा समिति के अध्यक्ष सूरजभान मितल, उपाध्यक्ष पवन सिंगला, कोषाध्यक्ष गोविन्द सोमानी, सह सचिव हैप्पी गुम्बर, प्रचार प्रभारी राजकुमार चुघ, प्रवक्ता विनय सिंगला, सुखविन्द्र सिंह, शंकी कामरा, देव सिंगला, अर्जुनदास हलवाई, रामू हलवाई सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

शहरी सेवा शिविर का प्रभारी सचिव ने किया निरीक्षण

» लाभार्थियों को सौंपे पट्टे व प्रमाण पत्र, योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने पर दिया जोर

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित शहरी सेवा शिविर का सोमवार को प्रभारी सचिव जोगाराम ने निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा, नगर परिषद आयुक्त सुरेन्द्र यादव, पूर्व जिला प्रमुख दम्यंती बेनीवाल, निवर्तमान सभापति सुमित रणवां, पार्षद हिमांशु महर्षि भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदान की जा रही सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा आमजन से संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव ने शिविर में स्थापित विभिन्न काउंटरों का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को निर्धारित समय में योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाना है, ताकि लोगों को अपने कार्यों के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। शिविर के निरीक्षण के बाद अतिथियों ने विभिन्न योजनाओं के

लाभार्थियों को प्रमाण पत्र, पट्टे एवं अन्य दस्तावेज सौंपकर सम्मानित किया। लाभार्थियों ने मौके पर ही कार्य होने पर संतोष व्यक्त किया और शिविर को आमजन के लिए उपयोगी पहल बताया। शिविर में जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, नामांतरण, पट्टा वितरण, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से संबंधित कार्यों सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करते हुए कई प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। इसके अलावा पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया। प्रभारी सचिव जोगाराम ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविर प्रशासन और जनता के बीच की दूरी को कम करने के साथ-साथ पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन व्यवस्था को भी मजबूत बनाते हैं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने शिविर में उपस्थित लोगों से फीडबैक भी लिया।

खरीफ फसलों में कीट एवं रोग प्रबंधन पर कृषक गोष्ठी

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। कृषि विभाग एवं आत्मा योजना के संयुक्त तत्वावधान में पंचायत समिति रावतसर में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लगभग 100 किसानों ने भाग लिया। गोष्ठी में कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों ने किसानों को उपयोगी जानकारी प्रदान की। कृषि विज्ञान केन्द्र नोहर के कृषि वैज्ञानिक अशोक चौधरी ने खरीफ फसलों में लगने वाले प्रमुख कीटों एवं रोगों की पहचान, रोकथाम तथा समेकित प्रबंधन के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने किसानों को फसलों की नियमित निगरानी करने तथा समय पर नियंत्रण उपाय अपनाने की सलाह दी, जिससे उत्पादन में होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। परियोजना निदेशक (आत्मा) सुभाष चन्द्र डूडी ने आत्मा योजना के तहत संचालित कार्यक्रमों एवं किसानों को उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी। वहीं सहायक निदेशक कृषि (विस्तार) नोहर राजप्रताप गोदारा ने गुणवत्तायुक्त बीज एवं उर्वरक खरीदने, अधिकृत विक्रेताओं से ही कृषि आदान लेने तथा खरीद के समय पक्का बिल प्राप्त करने के प्रति किसानों को जागरूक किया। उन्होंने मंडियों में उर्वरकों की उपलब्धता संबंधी जानकारी भी साझा की। एआरओ एटीसी हनुमानगढ़ डॉ. राधेश्याम ने मृदा परीक्षण आधारित पोषक तत्व प्रबंधन, प्राकृतिक खेती एवं जैविक कीटनाशकों के उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने संतुलित उर्वरक उपयोग की आवश्यकता बताते हुए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया। सहायक कृषि अधिकारी कृष्ण चन्द्र कड़वासरा ने उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं अनुदान कार्यक्रमों की जानकारी किसानों को दी। कृषि विज्ञान केन्द्र नोहर के पशु वैज्ञानिक डॉ. विक्रमजीत ने पशुपालन में संतुलित आहार, नियमित टीकाकरण एवं नस्ल सुधार के महत्व पर जानकारी दी तथा पशुपालकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

होम्योपैथिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। सेवा भारती द्वारा जंक्शन के वार्ड नंबर 58 स्थित गायत्री मंदिर में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर विनीत मेमोरियल फाउंडेशन हनुमानगढ़ के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर सेवा भारती जिला अध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी, मंत्री महेंद्र शर्मा, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य भवानी शंकर शर्मा, कोषाध्यक्ष सुभाष गर्ग, जिला प्रकल्प प्रमुख विजय कुमार, गौरव शर्मा, खुशबू, पूजा उपस्थित रहे। होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ सुरेश कुमार ने अपनी सेवाएं दी। बस्ती के 52 पुरुषों एवं महिलाओं द्वारा स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया गया।जिसमे स्वास्थ्य परामर्श, जांच एवं दवा की सेवा निःशुल्क प्रदान की गयी। सेवा भारती द्वारा चिकित्सा शिविर नियमित रूप से सुविधा वंचित बस्तियों में चिकित्सा शिविर आयोजित कियेजाने की योजना है।जिला प्रचार प्रभारी सूर्य प्रकाश जोशी ने बताया कि सेवा भारती हनुमानगढ़ द्वारा जिला केंद्र की 15 बस्तियों में 9 बाल संस्कार केंद्र 2 सिलाई केंद्र एवं सभी बस्तियों में सामाजिक केंद्र संचालित किए जाते है, एवं समय समय पर आवश्यकता अनुरूप बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाते है।

प्रथम पेज का शेष...

लखनऊ में कोचिंग...

तमाम अधिकारी मौके पर पहुंचे। देर शाम तक राहत-बचाव कार्य जारी था। बिल्डिंग में संचालित एनिमेशन सेंटर पूरी तरह से ऑटोमेटिक था। सेंटर का गेट भी बॉयोमीट्रिक व्यवस्था से खुलता था। आग लगते ही गेट लॉक हो गया। भीतर मौजूद लोगों ने काफी प्रयास किया, लेकिन गेट नहीं खुला। गेट इतना भारी था कि उसको भीतर से तोड़ा भी नहीं जा सका। इसके कारण सेंटर के कर्मचारी और वहां ट्रेनिंग ले रहे लोग फंस गए। काफी प्रयास के बाद भी वे लोग बाहर नहीं निकल सके और उनकी मौत हो गई। अग्निकांड का कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। शुरू में जब आग लगी तो कुछ युवक युवतियों ने हिम्मत दिखाते हुए बिल्डिंग का शीशा तोड़ दिया। इसके बाद बिजली के तार के सहारे तीसरे तल से नीचे उतरकर अपनी जान बचाई। कुछ युवक युवती तार पकड़कर उतरते समय नीचे गिर गए। यही नहीं आग का विकराल रूप देखकर कुछ युवकों ने नीचे छलांग लगा दी।

राजस्थान में लागू...

का अध्ययन करके राजस्थान की सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप मॉडल तैयार करेगी। सरकार की कोशिश रहेगी कि कमेटी जल्द अपनी रिपोर्ट दे। इसके बाद कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे विधानसभा में पेश किया जाएगा।

कतर के सबसे...

आवाज राजधानी दोहा तक सुनाई दी। 70 किलोमीटर दूर रहने वाले लोग भी घबरा गए। हालांकि, ऊर्जा मंत्री साद अल-काबी ने कहा कि हादसे से पर्यावरण को कोई खतरा नहीं है और कतर से गैस की सप्लाई भी जारी रहेगी।

अटल भूजल योजना...

वास्तविक किसानों को समर्थन मूल्य और बोनस का पूरा लाभ नहीं मिल पाया तथा उन्हें कम कीमत पर गेहूं बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारतीय किसान यूनियन ने मांग की है कि पूरे मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच सीबीसीबी से करवाई जाए तथा दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि लंबित अनुदान राशि जल्द जारी नहीं की गई और गेहूं खरीद प्रकरण की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो जिलेभर में सरकार के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस मौके पर सुभाष मक्कसर, रायसाहब चाहर मल्लड़ खेड़ा , रविन्द्र सिंह, जाकिर हुसैन, लखवीर सिंह, कुलविंदर सिंह, दिनेश गोदारा आदि लोग मौजूद रहें।

दो ग्राम पंचायतों...

को भी उनके पद से हटा दिया गया है। आदेश में जिला कलक्टर, हनुमानगढ़ को निर्देशित किया गया है कि विभागीय आदेशों की पालना करते हुए नियमानुसार संबंधित ग्राम पंचायतों के उप सरपंचों को प्रशासक पद का कार्यभार सौंपकर इसकी सूचना विभाग को भेजी जाए। पंचायती राज विभाग के अतिरिक्त आयुक्त एवं शासन उप सचिव (द्वितीय) त्रिलोक चंद मीणा की ओर से जारी इन आदेशों के बाद दोनों ग्राम पंचायतों में नए प्रशासकीय प्रबंध की प्रक्रिया शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार राज्य सरकार पंचायतों में स्वच्छता एवं विकास कार्यों की निगरानी को लेकर गंभीर है और अनियमितता पाए जाने पर संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पटवार संघ ने लंबित मांगों को लेकर दिया ज्ञापन, आंदोलन की चेतावनी

डीसीएस भुगतान, ई-धरती पोर्टल सुधार व नामांतरण प्रक्रिया में बदलाव वापस लेने की मांग

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो. हनुमानगढ़। राजस्थान पटवार संघ के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को प्रमुख शासन सचिव, राजस्व विभाग, राजस्थान सरकार जयपुर के नाम प्रभारी सचिव को ज्ञापन सौंपकर पटवारियों की लंबित मांगों एवं समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग की। संघ ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समयबद्ध समाधान नहीं किया गया तो संगठन को आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। जिलाध्यक्ष अमर सिंह दहिया ने बताया कि राजस्व विभाग के कार्मिकों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं। इस संबंध में पूर्व में भी कई बार पत्राचार एवं ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है। संघ ने मांग की कि विगत वर्षों में पटवारियों एवं सर्वेयरों की ओर से किए गए डीसीएस गिरदावरी कार्य का लंबित भुगतान शीघ्र कराया जाए। आगामी खरीफ 2083 की गिरदावरी का भुगतान सीधे डीडीओ के माध्यम से पटवारी एवं सर्वेयर के खातों में किया जाए। ज्ञापन में ई-धरती एवं अपना खाता पोर्टल के पिछले लगभग दो माह से सुचारू रूप से संचालित नहीं होने का मुद्दा भी उठाया गया। संघ के अनुसार पोर्टल में तकनीकी समस्याओं के कारण नामांतरण, सीमा ज्ञान, नकल तथा दस्तावेज पंजीकरण जैसे कार्य प्रभावित हो रहे हैं, जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और राजस्व कार्मिकों को लोगों के रोष का सामना करना पड़ रहा है। पटवार संघ ने रहन एवं रहनमुक्त नामांतरण प्रक्रिया में प्रस्तावित संशोधन को वापस लेकर पूर्व व्यवस्था को यथावत रखने की मांग की। साथ ही सीमा ज्ञान के ऑनलाइन आवेदनों में बढ़ती अनियमितताओं का उल्लेख करते हुए आवेदन से पहले संबंधित खसरे की तथ्यात्मक रिपोर्ट पटवारी से लेना अनिवार्य करने का सुझाव दिया।

अवैध एमडी ड्रग्स फैक्ट्री मामले में पांच और गिरफ्तार

अब तक 9 गिरफ्तार, सरकारी स्कूल का पीटीआई और पुलिस भर्ती की तैयारी करने वाले भी शामिल

हनुमानगढ़। जिले की पुलिस ने पांच उन व्यक्तियों को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिनको नोहर थाना क्षेत्र के गांव असरजाना में एक खेत में बनी ढाणी में अवैध रूप से मैफेड्रोन(एमडी) ड्रग्स बनाने की पकड़ी गई फैक्ट्री के मामले में नामजद तथा चिन्हित किया गया था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार किए गए पांच आरोपियों में दीपचंद उर्फ दीपू जाट (27), सतीश नाई (36) निवासी डूंगराना थाना भादरा, विनोद नायक (22) निवासी खेदासरी थाना रावतसर जिला हनुमानगढ़ तथा सुखदेवसिंह उर्फ सुक्खा राजपूत (30) और बलवंतराम नायक (23)निवासी भोजेवाला थाना राजियासर जिला श्रीगंगानगर शामिल हैं। विगत शनिवार को पुलिस की एक टीम ने नोहर थाना क्षेत्र के गांव असरजाना के एक खेत में बनी ढाणी पर छापा मारा था, जहां अवैध रूप से चल रही एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्ट्री पकड़ी गई थी। मौके पर से सुभाष बिश्नोई निवासी कालुपुरा थाना सांचौर जिला जालौर, सुनील सिंह राजपूत निवासी जाखड़ांवाली, रविंद्रसिंह राजपूत और विजयपालसिंह राजपूत निवासी असरजाना को गिरफ्तार किया गया था। इनके कब्जे से 212 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम,5.36 ग्राम अवैध मैफेड्रोन ड्रग्स (एमडी),चार कांच की बोतलों में मिथाइल प्रोपोफाइनन, एक कांच की बोतल में बेंजीन एसीएस 99.5 प्रतिशत, 25 लीटर एसीटोन, 25 लीटर हाइड्रोक्लोरिक एसिड, 25 लीटर मिथाइलमाइन 40 प्रतिशत और 2500 एमएल एन-मिथाइल-2-पायरोलिडोन (एनएमपी) बरामद किया है। ये सभी पदार्थ एचडी ड्रग्स निर्माण में इस्तेमाल होने वाले खतरनाक केमिकल हैं।एसपी मीणा ने बताया कि आरोपियों से जो रसायन बरामद किए गए हैं, उनसे करीब एक किलोग्राम एमडी ड्रग्स बन सकती थी, जिसकी कीमत करीब दो करोड़ रुपए होती है। आरोपियों ने अभी केवल दस ग्राम एमडी ड्रग्स ही बनाई थी, जिसमें से कुछ का उन्होंने सेवन कर लिया तथा शेष उनसे बरामद कर ली गई।एसपी नरेन्द्रसिंह ने बताया कि आरोपी सुभाष बिश्नोई मुख्य आरोपी है, जिसने अन्य को एमडी बनाने के लिए तैयार किया। वह कुछ रसायन गुजरात से लेकर आया और बाकी सामान ऑनलाइन मंगवाया। एसपी मीणा ने बताया कि आरोपी विजयपाल सिंह निवासी असरजाना राजकीय विद्यालय में पीटीआई है, जबकि आरोपी सुनील कुछ बरस पहले तक पुलिस में भर्ती की तैयारी कर रहा था। साथ ही सूरतगढ़ में पीजी हॉस्टल भी संचालित करता था। एसपी मीणा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुभाष के खिलाफ पूर्व में एनडीपीएस, डकैती, पॉक्सो और गंभीर मारपीट सहित पांच मामले दर्ज हैं और वह गुजरात के डीसा थाने में दर्ज एमडी प्रकरण में भी फरार चल रहा है। वहीं सुनील कुमार के खिलाफ हत्या के प्रयास और मारपीट सहित तीन मामले दर्ज हैं।

मुख्यमंत्री पुतला दहन कार्यक्रम स्थगित

हनुमानगढ़। रालोपा द्वारा मुख्यमंत्री का पुतला दहन करने के प्रस्तावित कार्यक्रम को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में जिला प्रशासन को लिखित सूचना देकर कार्यक्रम रद्द किए जाने की जानकारी दी गई है। रालोपा कार्यकर्ताओं की ओर से डीवाईएसपी को दिए गए पत्र में बताया गया कि 22 जून को मुख्यमंत्री का पुतला जलाने का कार्यक्रम प्रस्तावित था, लेकिन उसी दिन भरतपुर में राष्ट्रीय लोकतंत्र पार्टी की महत्वपूर्ण रैली आयोजित होने के कारण कार्यक्रम को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। पार्टी के जिलाध्यक्ष विजय बैनीवाल सहित जिले के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता भरतपुर में आयोजित रैली में शामिल होने के लिए गए हुए हैं। पत्र में कहा गया कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के निर्देश पर बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भरतपुर रैली में भाग लेने पहुंचे हैं। ऐसे में जिले में प्रस्तावित विरोध कार्यक्रम को फिलहाल निरस्त कर दिया गया है।

यातायात पुलिस का अभियान, 71 वाहन किए सीज

» शराब पीकर वाहन चलाने वालों, नो पार्किंग में खड़े वाहनों और नियम उल्लंघनकर्ताओं पर कार्रवाई

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। यातायात नियमों की पालना, सड़क सुरक्षा और जीवन रक्षा को ध्यान में रखते हुए यातायात पुलिस की ओर से जिलेभर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत शराब पीकर वाहन चलाने, बिना नंबर या नंबर प्लेट पर शब्द-चिह्न लिखे वाहनों, एलईडी लाइट, प्रेशर हॉर्न तथा ब्लैक फिल्म लगे वाहनों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में यातायात पुलिस ने जिला मुख्यालय पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ अभियान चलाते हुए 13 दुपहिया वाहनों को सीज किया। इसके अलावा बिना नंबर और एलईडी लाइट लगे आठ अन्य वाहनों को भी जब्त किया गया। नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़े करने वाले थ्री व्हीलर एवं ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस ने ऐसे करीब 50 थ्री व्हीलर और ई-रिक्शा सीज किए। टाउन क्षेत्र में चुंगी नंबर 6, रावतसर रोड और हॉस्पिटल रोड तथा जंक्शन क्षेत्र में शहीद भगत सिंह चौक, रेलवे स्टेशन रोड और बस स्टैंड रोड पर विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान ई-रिक्शा चलाते मिले नाबालिग बच्चों के परिजनों को मौके पर बुलाया गया और उन्हें समझाइश दी गई कि वे बच्चों को बालिग होने से पहले ई-रिक्शा सहित किसी भी प्रकार का वाहन न चलाने दें। यातायात शाखा प्रभारी अनिल चिन्दा ने बताया कि यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था बनाए रखने में थ्री व्हीलर और ई-रिक्शा चालकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन कई चालक सड़क के बीच वाहन रोक देते हैं या नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़े कर देते हैं, जिससे यातायात बाधित होता है। उन्होंने आमजन से अपील की कि शराब पीकर वाहन न चलाएं, यातायात नियमों का पालन करें तथा नो पार्किंग क्षेत्रों में वाहन खड़ा करने से बचें, ताकि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके और यातायात व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

प्रदेश में सुपर-स्पेशियलिस्ट डॉक्टर्स की कमी, सरकार पे माइनस पेंशन पर दोबारा नौकरी दे रही

» जयपुर छोड़ने को राजी नहीं डॉक्टर; एसएमएस और आयूएचएस का मोह

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में सुपर स्पेशियलिटी के डॉक्टर (न्यूरोलॉजी, नेफोलॉजी, कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, यूरोलॉजी) की कमी है। सबसे ज्यादा परेशानी जयपुर, जोधपुर को छोड़कर अन्य जिलों (उदयपुर, कोटा, अजमेर, बीकानेर, भरतपुर) में है, जहां एक-एक डॉक्टरों के भरोसे हॉस्पिटल चल रहे हैं। इन हॉस्पिटलों में इन जिलों के अलावा आसपास के छोटे जिलों से भी बड़ी संख्या में मरीज आते हैं। इसे देखते हुए सरकार अब सुपर स्पेशियलिटी के डॉक्टर्स जो नौकरी से रिटायर्ड हो रहे हैं, उन्हें वापस पे माइनस पेंशन पर नियुक्ति दे रही है। लेकिन सरकार के लिए अब सबसे बड़ी मुसीबत इन डॉक्टर्स की नियुक्ति को लेकर है, जो रिटायरमेंट के बाद केवल जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल, आयूएचएस या जोधपुर के हॉस्पिटल में ही नौकरी करना चाहते हैं। एक तरफ सरकार राजस्थान में मेडिकल सर्विसेज के विस्तार और मेडिकल एज्युकेशन को मजबूत बनाने के लिए लगातार नए मेडिकल कॉलेज खोल रही है, लेकिन सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भारी कमी अब भी सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। पिछले महीने कोटा में प्रसूताओं की मौत के बाद सरकार को विशेषज्ञ डॉक्टर्स की स्पेशल टीम कोटा भेजनी पड़ी। वहीं बीकानेर की घटना में भी जोधपुर के डॉक्टरों से परामर्श लेना पड़ा। ऐसे में सवाल उठते हैं, कि क्या सरकार इन जिलों (जहां बड़े हॉस्पिटल हैं और पर्याप्त संसाधन हैं) वहां पर क्या इन डॉक्टर्स को नहीं लगाया जा सकता?

राजमेस के 24 कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी विभाग नहीं

राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी (राजमेस) के 24 मेडिकल कॉलेज ऐसे हैं, जहां आज तक कई सुपर स्पेशियलिटी विभाग शुरू ही नहीं हो पाए हैं। नतीजा यह कि गंभीर बीमारियों के मरीजों को इलाज के लिए जयपुर का रुख करना पड़ता है।

जयपुर में रुकने के ये बड़े कारण

एसएमएस से रिटायर्ड होने के बाद पे माइनस पेंशन पर नियुक्त होने वाले अधिकांश डॉक्टर्स जयपुर में रुकने का प्रयास करते हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण पुराने हॉस्पिटल (जहां से रिटायर्ड हुए) में वजूद है। सीनियर होने के नाते इन डॉक्टर्स को यूनिट हैड, डिपार्टमेंट एचओडी जैसे पद मिल जाते हैं। इसके अलावा दूसरा बड़ा कारण प्राइवेट प्रेक्टिस (घर पर क्लिनिक का संचालन) है, जो सरकारी हॉस्पिटल में नौकरी करते समय अच्छी चलती है। सूत्रों के मुताबिक एक-एक डॉक्टर हर रोज करीब 40 से 50 मरीज घर पर देखते है, लेकिन रिटायर्ड होने के बाद इन मरीजों की संख्या 20 फीसदी से भी कम रह जाती है। तीसरा बड़ा कारण परिवार से दूरी। पूरा परिवार जयपुर में होने के बाद कोई डॉक्टर रिटायरमेंट के बाद क्यों जयपुर से बाहर दूसरे शहर जाए?

बीएसएफ में खेल कोटे से चयनित हुई एसकेडी यूनिवर्सिटी की छात्रा मुमल गोदारा

भटनेर एक्सप्रेस ब्यूरो

हनुमानगढ़। श्री खुशालदास विश्वविद्यालय (एसकेडीयू), हनुमानगढ़ की छात्रा मुमल गोदारा का सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में स्पोर्ट्स कोटा के अंतर्गत चयन होने पर विश्वविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। मुमल गोदारा श्री मुखराम गोदारा की सुपुत्री हैं तथा उनका निवास बारसिंगसर, बीकानेर में है। वर्तमान में वे विश्वविद्यालय में डी.एल.एड. (सत्र 2025-26) की छात्रा हैं। मुमल गोदारा ने अपनी खेल प्रतिभा, अनुशासन और अथक परिश्रम के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी सफलता के पीछे वॉलीबॉल कोच हरिंदर सिंह का मार्गदर्शन और निरंतर प्रशिक्षण भी महत्वपूर्ण रहा है। विश्वविद्यालय परिवार ने इस उपलब्धि पर कोच हरिंदर सिंह के योगदान की भी सराहना की है। खेल क्षेत्र में मुमल गोदारा का प्रदर्शन अत्यंत उत्कृष्ट रहा है। उन्होंने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल प्रतियोगिता में सहभागिता की, वेस्ट ज़ोन इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया, यूथ नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में भाग लिया तथा सब-जूनियर नेशनल वॉलीबॉल प्रतियोगिता में स्वर्ण एवं रजत पदक हासिल किए। इन उल्लेखनीय उपलब्धियों के आधार पर उनका बीएसएफ में स्पोर्ट्स कोटा के तहत चयन हुआ है। इस अवसर पर श्री गुरु गोबिंद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि विश्वविद्यालय सदैव विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। मुमल की सफलता यह दर्शाती है कि समर्पण और निरंतर प्रयास से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के प्रबंध निदेशक दिनेश कुमार जुनेजा ने कहा कि मुमल गोदारा की उपलब्धि पूरे विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर और मार्गदर्शन प्रदान करना संस्थान की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुमल ने अपनी मेहनत और लगन से यह साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियां भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकती हैं। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों को भी अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करेगी। स्पोर्ट्स विभाग के निदेशक डॉ. अभिषेक ने कहा कि मुमल गोदारा की उपलब्धि विश्वविद्यालय के खेल विभाग के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मुमल ने वर्षों की मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति समर्पण के बल पर यह सफलता अर्जित की है। उनका बीएसएफ में चयन विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुमल भविष्य में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय, राज्य और देश का नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय प्रशासन, संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने मुमल गोदारा को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विश्वविद्यालय ने विश्वास व्यक्त किया कि मुमल भविष्य में भी खेल और सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान, राज्य एवं देश का नाम रोशन करेंगी। श्री खुशाल दास विश्वविद्यालय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, विपुल गोयल के द्वारा विजय आफसैट, नई धानमंडी, हनुमानगढ़ टाउन से मुद्रित एवं कार्यालय 283, सैक्टर नं. 6, नजदीक चूना फाटक, हनुमानगढ़ जंक्शन 335512, जिला हनुमानगढ़ (राजस्थान) से प्रकाशित एवं प्रसारित। सम्पादकः विपुल गोयल
RNI NO : RAJHIN/2022/85753